प्रशासनिक अवहेलना का मसला प्रतिमा ने उठाकर घेरा

कैबिनेट की बैठक में खुलकर रखी अपनी बात, प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी पर उठे सवाल

नवभारत न्यूज

सतना, 27 नवम्बर. पिछले दिनों राजधानी में सम्पन्न हुई प्रदेश मंत्रिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक में जिले की विधायक प्रदेश की नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ हो रही प्रशासनिक अवहेलना का मसला उठाकर सरकार को संकट में डाल दिया है.

उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को राजधानी में आयोजित कैबिनेट बैठक में जिन मसलों पर सरकार को घेरने की कोशिश राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों ने की उनमें मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ हो रही प्रशासनिक उपेक्षा का मसला चर्चा का विषय बन गया है. बताया गया है कि बैठक में जब अन्य मंत्रियों ने एजेण्डे से हटकर विषय उठाना शुरू किया तो नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने भी अपनी ओर से प्रदेश के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की

जा रही अनदेखी का जिक्र करते हुए खुलकर यह बताया कि विभाग से संबंधित अपर मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी अपने कार्यालयों में नहीं मिलते ऐसी स्थिति में विभाग से जुड़े जन महत्व के विषयों पर निर्णायक पहल नहीं हो पाती. उन्होंने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से यह भी अपेक्षा की कि सप्ताह के किसी एक दिन पूरे समय में इस स्तर के वरिष्ठ अधिकारी पूरे स मय अपने कार्यालय में उपस्थित रहें. कैबिनेट में इस तरह का विषय सामने आने के बाद राजधानी में युवा राज्यमंत्री द्वारा खुलकर कही गई बात चर्चा का विषय बन गई. हलांकि बताया यह भी गया है कि किसी वरिष्ठ मंत्री ने बैठक में ही यह भी जिक्र किया कि अधिकारियों को मंत्रियों के स्वयं संपर्क में रहना चाहिए यह नई परम्परा शुरू हो रही है कि मंत्री प्रशासनिक अधिकारियों के कार्यालयों में जन महत्व के काम के लिए संपर्क कर रहे हैं.

प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में खुलकर सामने आये इस प्रकार के व्यवहार को लेकर प्रदेश में सक्रिय सोशल मीडिया प्लेटफार्म में लोगों ने तरह तरह की चर्चाएं शुरू कर दी है. ऐसा कहा जा रहा है कि वर्तमान में प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी के अन्दर भी पक्ष और विपक्ष का वातावरण बन गया है जिसकी वजह से अधिकारी महत्वपूर्ण विभाग और वरिष्ठ मंत्रियों के अलावा अन्य को ज्यादा महत्व नहीं दे रहे.

स्कूल के बजाय डीईओ एवं अन्य कार्यालयों में अटैच हैं शिक्षक

शासकीय कार्य के आड़ में अटैचमेंट का खेल

नवभारत न्यूज

रीवा, 27 नवम्बर, बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम लाने के लिये हर संभव प्रयास शिक्षा विभाग करता है. लेकिन रीवा में परीक्ष परिणाम संतोष जनक नही रहता. कक्षाओं में पढ़ाने वाले शिक्षक गैर शिक्षकीय कार्य में लगे है. दूसरो शब्दो में कहे तो जुगाड़ कर कार्यालयों में अटैच है.

शासकीय कार्य की आड़ में कार्यालयों में अटैच कर दिया जाता है और फिर वापस स्कूल नही जाते. कई ऐसे शिक्षक है जो वर्षो से अटैच के नाम पर कुर्सी पर बैठे हुए है. अब सवल यह उठता है कि स्कूल में कौन पढ़ाए. जबकि साफ निर्देश है कि शिक्षक स्कूल में पढ़ाएगें न की कार्यालयों में अटैच होगे. जानकारी के मुताबिक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अटैच है. रामजीत चतुर्वेदी रमसा, ममता शुक्ला रमसा, नवीन दुबे रमसा, शिवनाथ पटेल,रामराज शुक्ला विधानसभा, देवराज सिंह, शैलेंद्र मिश्रा, रामकृष्ण तिवारी कोर्ट सेक्शन, शिवकुमार पांडे, अरुण शुक्ला, अविनाश गौतम, राम मणि मिश्रा, प्रभानंद पटेल, द्रोणाचार्य पांडेय परीक्षा सेक्शन, कमलापति त्रिपाठी, शिवेंद्र पांडेय सीएम हेल्पलाइन उक्त के अतिरिक्त आधा दर्जन भृत्य जिनकी पदस्थापना विभिन्न विद्यालयों में है लंबे समय से डीईओ कार्यालय में तैनात है.

वही विकासखंड शिक्षा अधिकारी रीवा कार्यालय में आर शरद पई, मयंक पांडेय, शिप्रा शर्राफ, परवीन बानो अरुण मिश्रा, राजेश उपाध्याय, अजीत सिंह है, डीपीसी कार्यालय रीवा में अशोक शुक्ला, अरविंद त्रिपाठी, श्रीमती सरोजिनी शुक्ला, रवि शंकर द्विवेदी लंबे समय से अटैच है.

कलेक्टर व जेडी कार्यालय में भी अटैचमेन्ट

कलेक्टर कार्यालय एवं जेडी कार्यालय रीवा में भी कुछ शिक्षा का अटैच है इसके बावजूद स्कूल जाने वाले शिक्षकों पर अटेंडेंस जबरन ठोकने की कार्रवाई कर रहे हैं, डीईओ को चाहिए कि पहले अपने कार्यालय का ही संलग्नीकरण समाप्त करें इसके बाद स्कूल जाने वाले शिक्षकों को ही अटेंडेंस की बाध्यता दें.

घरेलू गैस की अवैध कालाबाजारी पर कलेक्टर सख्त

जांच दल गठित,अब होगी कड़ी कार्यवाही

नवभारत न्यूज

सिंगरौली, 27 नवम्बर. जिले में घरेलू गैस की अवैध रिफिलिंग, भंडारण, परिवहन और कालाबाजारी पर अब कलेक्टर गौरव बैनल की सख्त नजर रहेगी।

कलेक्टर के निर्देश पर संपूर्ण जिले में व्यापक जांच अभियान चलाने के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया है। निर्देशों के अनुपालन में तहसीलदार सरई एवं सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी द्वारा क्षेत्र के सभी गैस एजेंसी संचालकों को चेतावनी पत्र जारी किया गया है।जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की बिक्री, वितरण या परिवहन में यदि किसी भी प्रकार की अनियमितता, अवैध भंडारण या कालाबाजारी पाई जाती है, तो दोषियों के विरुद्ध अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम तथा भारतीय

न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन ने बिना लाइसेंस अवैध रूप से गैस का विक्रय करने वाले, रिफिलिंग करने वाले, छोटी वाहनों में सिलेंडर ढोने वाले तथा होटल ढाबा ठेला रेहड़ी में घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग करने वालों पर निगरानी बढ़ा दी है। इस पूरी कार्रवाई के लिए विशेष टीमें नियुक्त की गई हैं, जो अभियान के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी मिलने पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगी। तहसीलदार सरई ने आम नागरिकों और उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे विधिक पात्रता के अनुसार ही घरेलू गैस सिलेंडर प्राप्त करें और नियमों के अनुरूप सुरक्षित उपयोग करें। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में जनसहयोग बेहद जरूरी है, ताकि गैस वितरण प्रणाली पारदर्शी और सुचारु बनी रहे।

पीसी एण्ड पीएनडीटी के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक 28 को

सतना 27 नवम्बर. गर्भधारण प्रसव पूर्व निदान तकनीक पीसी एण्ड पीएनडीटी के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक 28 नवम्बर को दोपहर 12 बजे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में आयोजित की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने बैठक में संबंधित सदस्यों को उपस्थित होने का आग्रह किया है।

मैहर में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

मैहर 27 नवम्बर. कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मैहर रानी बाटड की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सडक सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आरटीओ संजय श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सडक सुरक्षा के विषय बिंदुओं पर व्यापक चर्चा कर सुरक्षा के उपाय करने का निर्णय लिया गया।

मैहर स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर मिला रेल कर्मी का शव

पीडब्ल्यूआई के गश्ती दल का था कर्मचारी

नवभारत न्यूज

सतना 27 नवंबर. मैहर रेलवे स्टेशन के निकट रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई. मृतक रेलवे का कर्मचारी था और पैर से विकलांग था. प्रथम दृष्ट्या ट्रेन से गिरने के कारण दुर्घटना बताया जा रहा है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह रेलवे के पीडब्लूआई विभाग का गश्ती दल रेलवे ट्रैक की जांच करने के लिए

निकला था. रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर उन्हें एक व्यक्ति रेलवे ट्रैक पर पड़ा नजर आया. जिसे देखते हुए फौरन ही घटना की जानकारी स्टेशन प्रबंधक मैहर को दी गई. जहां से मेमो प्राप्त होने पर जीआरपी मैहर की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया. सिविल अस्पताल पहुंचाए जाने पर चिकित्सक द्वारा उसे ब्रॉट डेड घोषित कर दिया गया. जीआरपी द्वारा शुरु की गई पड़ताल में मृतक की पहचान शुभम सिंह चौहान उम्र 38 वर्ष निवासी सीधी के तौर पर हुई. इसके साथ ही यह जानकारी भी सामने आई कि मृतक रेलवे कर्मचारी था और मैहर रेलवे स्टेशन के गेस्ट हाउस में बतौर केयर टेकर सेवाएं दे रहा था. इसी कड़ी में मृतक के दोनों पैरों से विकलांग होने की जानकारी भी सामने आई. जीआरपी के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला किसी ट्रेन से नीचे गिर जाने के कारण हुई दुर्घटना के तौर पर सामने आ रहा है. लेकिन विस्तृत पोस्टमार्टम रिपनोर्ट मिलने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा. पुलिस द्वाराद प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा.लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा मौजा कोलगवां, इंडस्ट्रियल एरिया, सतना से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , इंडस्ट्रियल एरिया से मुद्रित . संपादक- संजय पयासी* फोन- 250587, फैक्स- 224642 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार RNI Reg. No. 72181/99